Seventeenth Loksabha

p>

Title: Need to check the food adulteration in India.

श्रीमती क्वीन ओझा (गौहाटी): अध्यक्ष जी, मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देती हूं, क्योंकि आपने मुझे फिर एक बार बोलने का अवसर दिया । मैं एक बहुत ही महत्वूर्ण विषय के बारे में कहना चाहती हूं । इसे बहुत महत्व देने की जरूरत है । आजकल खाने में सब्जियों और फलों में रसायन मिलाकर बेचते हैं । यह सिर्फ मेरे एरिया का विषय नहीं है, यह पूरे भारत में हो रहा है । मैंने देखा है कि खेती से लेकर कृत्रिम रूप से पकाने तक फल और सब्जियों में अंधाधुंध रसायनों का प्रयोग किया जा रहा है । दूध में भी रसायन का प्रयोग किया जा रहा है । घना दिखाने के लिए दूध में यूरिया डालते हैं । जो मछली पालन होता है, उसमें भी आजकल यूरिया डालते हैं, ताकि बहुत जल्दी उनकी फसल हो, इसलिए ऐसा कर रहे हैं । यह सब करने से असम में, सारे पूर्व अंचल में, …(**व्यवधान**) पूरे देश में इससे कैंसर बहुत ज्यादा हो रहा है । इसने बच्चे तक को नहीं छोड़ा । जो लोग ऐसा कर रहे हैं, वे मुनाफे के लिए इसे कर रहे हैं । मैं आपसे आग्रह करती हूं कि विशेष आईन का प्रयोग करके लोगों को स्वास्थ्य प्रदान करें ।

माननीय अध्यक्ष: श्री राहुल रमेश शेवाले, डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे, श्री श्रीरंग आप्पा बारणे और कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को श्रीमती क्वीन ओझा द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।